सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

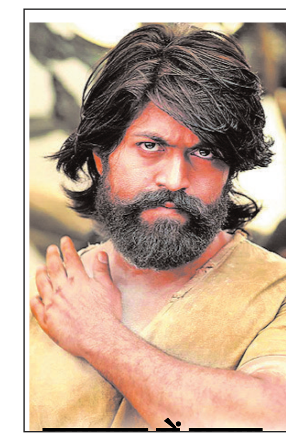

झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आजमाएं नारियल तेल पेज: 7

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 117 | शुक्रवार 31 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सीआरपीएफ डीजी का जवानों को संदेश: निडर होकर ड्यूटी करें, हर जिम्मेदारी मेरी होगी

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विवाद बढ़ने पर, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के प्रमुख ने सुरक्षाकर्मियों का समर्थन किया और उनसे बिना डरे अपनी ड्यूटी निभाने को कहा। साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनके कामों की ज़िम्मेदारी वे खुद लेंगे। फोर्स के सम्मान समारोह में बोलते हुए, सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल के तौर पर, मैं आप सभी को भरोसा दिलाना चाहता हूँ कि चाहे ऑपरेशनल बटालियन हो या लॉ-एंड-ऑर्डर यूनिट, अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाते हुए आप जो भी फैसले लेंगे और जो भी कार्रवाई करेंगे, उन सभी फैसलों और कामों की ज़िम्मेदारी मैं लेता हूँ। ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि निडर होकर अपने कर्तव्यों का पालन करते रहें।

नीट पेपर लीक: खड़गे बोले, पीएम-एचएम ने चुप्पी साधी, अब कुर्सी बचाने के लिए लाया गया एंटी-पेपर लीक बिल

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक जैसे गंभीर संकट.........

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में एंटी पेपर लीक बिल को सरकार की 'कुर्सी बचाने' की कवायद बताया। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक जैसे गंभीर संकट के बावजूद यह विधेयक असली समस्या का समाधान नहीं है, क्योंकि इसमें परीक्षा संचालन के तरीके में कोई मौलिक बदलाव नहीं किया गया है। खड़गे ने पेपर लीक घटनाओं को रोकने के लिए

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक पर बोलते हुए कहा कि नीट का पेपर लीक होने के बाद कई मासूम छात्रों और उनके माता-पिता को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि हम पब्लिक एग्जामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026 का स्वागत करते हैं, लेकिन यह काफी नहीं है। केंद्र सरकार को देश में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए और कदम उठाने चाहिए। यह बिल हमारे छात्रों के सामने मौजूद संकट का समाधान नहीं करेगा। खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार यह बिल देश में छात्रों के सामने मौजूद असली संकट को हल करने के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ़ अपनी कुर्सी बचाने के लिए लाई है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि जब पूरा देश नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों की आग में जल रहा था, तब गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर न तो कुछ कहा और न ही संसद में आकर इस पर बात की। छोटी-छोटी बातों पर अमित शाह जी संसद में आकर अपनी राय रखते थे, लेकिन अब वे कहाँ हैं? उन्होंने कहा कि पेपर लीक की वजह से बहुत से बेगुनाह लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। इस नए बिल से कुछ नहीं होने वाला है क्योंकि पुराने कानून में बस कुछ डेटा ही बदला गया है। भारी जुमार्ना, कड़ी सजा, स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसे प्रावधान तो किए गए हैं, लेकिन असल में कुछ नहीं बदलेगा। असली बदलाव तभी आएगा जब परीक्षा कराने के तरीके में बदलाव होगा। इस बिल में कुछ भी नया नहीं है। हमने 2024 में ही एक कड़े कानून की मांग की थी, लेकिन हमारी मांग ठुकरा दी गई थी। खड़गे ने कहा कि 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक' सड़कों पर उतरे युवाओं को शांत करने के लिए लाया गया है, न कि पेपर लीक की समस्या को हल करने के लिए। आपने अभी 'पब्लिक एग्जामिनेशन अमेंडमेंट बिल 2026' में सिर्फ़ आंकड़ों में बदलाव किया है, जो यहाँ चर्चा के लिए आया है। इस बिल में सिर्फ़ आंकड़े ही बदलते रहे। इससे कुछ नहीं होने वाला। आपने ज्यादा जुमार्ना, सख़्त सजा, स्पेशल टास्क फोर्स, फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसे प्रावधान शामिल किए हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि फर्क इस बात से पड़ेगा कि आप यह परीक्षा कैसे आयोजित करते हैं और बिना पेपर लीक हुए तैयारी कैसे करते हैं; सब इसी पर निर्भर करता है... ऐसा मजबूत कानून लाने की मांग हमने 2024 में ही की थी।

लेकिन तब आपने हमारी बात नहीं मानी। और आपने अपने भाषण में कहा कि आप लोग सहमत नहीं थे। लेकिन हम बार-बार आपसे ऐसा मजबूत कानून बनाने के लिए कहते रहे। पर आपने ऐसा नहीं किया। जो काम आप दो साल बाद कर रहे हैं, उसे आपने 2024 में ही क्यों नहीं किया?

भदोही अब संत रविदास नगर, सीएम योगी बोले- पूर्ववर्ती सरकारों ने किया था अन्याय

भदोही एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को घोषणा की कि भदोही ज़िले का नाम बदलकर संत रविदास नगर कर दिया जाएगा। वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संत गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर स्थापित ज़िले का नाम तक हटाने का पाप किया था। अब भदोही को एक बार फिर संत रविदास नगर के नाम से जाना जाएगा। उत्तर प्रदेश का भदोही शहर और ज़िला, जो दक्षिण एशिया के सबसे बड़े हाथ से बुने हुए कालीन उद्योग के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'कारपेट सिटी' के तौर पर जाना जाता है, वाराणसी (जो पूर्व में 45 किमी दूर है) और प्रयागराज के बीच गंगा नदी के मैदानी इलाके में बसा है। इसके अलावा, रविवार को योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इटावा में अब डर या दहशत का माहौल नहीं है और वहां के युवाओं को अब पहचान के संकट का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय अपराध और अपराधियों के प्रति बीजेपी सरकार की 'जीरो-टॉलरेंस' नीति को दिया। इटावा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 2017 से पहले यह ज़िला पहचान के संकट से जूझ रहा था, और डर व असुरक्षा के कारण लोग वहां आने-जाने और निवेश करने से कतराते थे। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले इटावा के सामने पहचान का संकट किसने खड़ा किया था? इटावा से जीतने वाले लोगों ने ही यह संकट पैदा किया था। अगर इटावा में पहचान का संकट है, तो यह उत्तर प्रदेश का संकट बन जाएगा। लोग इस रास्ते से गुजरने से डरते थे। इतना डर और दहशत थी कि सिर्फ़.इटावा का नाम सुनकर ही होटलों में कमरे नहीं मिलते थे; निवेश के नाम पर कुछ भी नहीं था। कोई यहाँ आने के बारे में सोचता भी नहीं था। मुख्यमंत्री ने 2017 में सत्ता में आने के बाद अपराध के खिलाफ सख़्त रुख अपनाने और 'जीरो-टॉलरेंस' नीति के अपने वादे को पूरा करने का श्रेय बीजेपी सरकार को दिया। उन्होंने कहा कि इसलिए,जब 2017 में प्रधानमंत्री के आह्वान पर आप सभी ने अपने इलाके में बीजेपी के कमल को खिलने दिया, तो बीजेपी ने संकल्प लिया था कि हम अपराध और अपराधियों के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' नीति के तहत काम करेंगे। बीजेपी ने जो कहा, उसे करके दिखाया है। जिन लोगों ने संकट पैदा किया था, आज उनके सामने ही पहचान का संकट खड़ा हो गया है।

पीएम मोदी ने की मध्य पूर्व में उच्च-स्तरीय बैठक संकट पर इंडिया की ऊर्जा सुरक्षा पर मंथन

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संसद में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की एक हाई-लेवल बैठक हुई, जिसमें देश के प्रमुख मंत्री और सुरक्षा अधिकारी शामिल रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पश्चिम एशिया के बदलते हालात और भारत की ऊर्जा सुरक्षा और ईंधन की सप्लाई पर इसके असर की समीक्षा की गई। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल भी मौजूद थे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सरकार और सुरक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच कई विवादों के बीच, नाजुक युद्धविराम टूट गया। इसकी शुरूआत पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान हुई, जब तेहरान ने खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की कसम खाई। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी विवाद चल रहा था; अमेरिका चाहता था कि यह शिपिंग रूट युद्ध से पहले वाली स्थिति में लौट आए, जबकि ईरान का कहना था कि वह इस अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से गुजरने के लिए टोल वसूलेगा। जल्द ही, इसके कारण ईरान के बुनियादी ढांचे पर अमेरिका और इजराइल ने बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए और ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया और ट्रंप ने भी जोरदार हमलों की धमकी देनी शुरू कर दी। राज्यसभा में, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को विचार और पारित करने के लिए पेश किया। लोकसभा से बुधवार को पारित हुए इस विधेयक का मकसद परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करना है। इसके लिए पेपर लीक के मामलों में सजा बढ़ाना, जांच के लिए

हर पुर्जा भारत में ही बने: आईएएफ प्रमुख एपी सिंह ने आत्मनिर्भर ड्रोन इकोसिस्टम पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली एजेंसी: भविष्य की जंग की तैयारी भारत की डिजाइन लैब और स्टार्टअप हब में जोर-शोर से चल रही है, लेकिन देश के टॉप एयर कमांडर के मुताबिक, असल आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। भारत ड्रोन एंड रोबोटिक्स मंथन 3.0 कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए घरेलू इंडस्ट्री और इनोवेटर्स के साथ मिलकर काम करने का एक मजबूत रोडमैप पेश किया। आजकल की लड़ाई में कम लागत वाले बिना पायलट वाले सिस्टम (बिना चालक वाले सिस्टम) की भूमिका अहम होती जा रही है। इसे देखते हुए एयर चीफ ने जोर दिया कि भारत के डिफेंस सेक्टर को नई टेक्नोलॉजी के तेजी से बदलते दौर में सबसे आगे रहना होगा, क्योंकि जरा सी भी हिचकिचाहट का ऑपरेशन के दौरान भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। एयर चीफ मार्शल सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन से जुड़ी सटीक जरूरतों को तय करने की ज़िम्मेदारी पूरी तरह से यूजर की है। उन्होंने हाल ही में बने 'डायरेक्टरेट ऑफ एयरोस्पेस डिजाइन' (पापा) को स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स के साथ सीधे जुड़ने के लिए एक खास माध्यम बताया। उन्होंने कहा जरूरत हमें ही बतानी होगी। हमारे पास 'डायरेक्टरेट ऑफ एयरोस्पेस डिजाइन' है... जो इंडस्ट्री, स्टार्टअप्स और उन सभी लोगों से बातचीत कर सकता है जो यह जानना चाहते हैं कि हमारी जरूरतें क्या हैं और हम किस तरह के ड्रोन, उपकरण या सेंसर चाहते हैं।

मूल्यांकन की पुरानी और धीमी प्रक्रियाओं से बचने के लिए, आईएएफ ने सितंबर में 'ड्रोनथॉन 2026' की घोषणा की है। इसमें कंपनियों को पेपर प्रेजेंटेशन या रिकॉर्डेड वीडियो के बजाय अपने प्रोडक्ट का लाइव डेमो दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया है। विदेशी सप्लाई चेन से जुड़ी कमजोरियों की ओर इशारा करते हुए, एयर चीफ ने घरेलू स्तर पर महारत हासिल करने का जोरदार आह्वान किया।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में सुबह नौ बजे तक हुआ 4.61 प्रतिशत मतदान, नेताओं ने की वोटिंग की अपील

पटना, 30 जुलाई बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में मतदान धीमी गति से जारी है और निर्वाचन आयोग के अनुसार, सुबह नौ बजे तक 3.80 लाख पात्र मतदाताओं में से 4.61 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह नौ बजे तक मतदान करने वालों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सी. पी. ठाकुर, उनके पुत्र और नवादा से सांसद एवं भाजपा नेता विवेक ठाकुर, उनके परिवार के अन्य सदस्य तथा बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव प्रमुख रहे। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, इस विधानसभा क्षेत्र के सभी 422 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की और कहा कि वे विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने लिखा, मैं बांकीपुर, मंझलपुर और दतिया विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदाताओं, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में मतदान करें और विकसित भारत के संकल्प को सशक्त बनाने में अपना अमूल्य योगदान दें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी लोगों से घरों से निकलकर जल्द से जल्द मतदान करने तथा बांकीपुर के विकास के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। इस बीच, जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि बिहार पुलिस ने सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर उनके कई समर्थकों को हिरासत में लिया है

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: छात्रों पर हिंसा पर अमित शाह संसद में बोलने से क्यों डर रहे?

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने 20 जुलाई को संसद तक हुए विरोध मार्च के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर लगाए गए आरोपों को फिर से दोहराया। उन्होंने अमित शाह के इस्तीफे की मांग की और इस घटना की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की बात कही। वही, एक पोस्ट में राहुल ने कहा कि अमित शाह संसद में आकर छात्रों के खिलाफ हुई बर्बर हिंसा के बारे में सफाई देने से इतना क्यों डर रहे हैं? इससे उनके दोषी होने का एहसास होता है। इससे पहले राहुल गांधी ने एक और पोस्ट में कहा कि छात्र न्याय के हकदार हैं। हमारे छात्रों के साथ हुई बर्बरता की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र और उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए। वहीं, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गांधी ने आरोप लगाया कि छात्रों पर बहुत ज्यादा बल प्रयोग किया गया और कहा कि या तो अमित शाह ने पुलिस कार्रवाई का आदेश दिया था या उन्हें इसके बारे में पता ही नहीं था। उन्होंने ज़िम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की अपनी मांग भी दोहराई। छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से जुड़े विवाद पर राहुल गांधी की पूरी बात, राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और ताजा घटनाक्रम को जानने के लिए पूरी रिपोर्ट देखें। यह मांग तब उठी है जब गुरुवार को संसद परिसर में मकर द्वार पर विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई और अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में हेराफेरी के आरोपों का मुद्दा उठाया गया। 'इंडिया' (इंडिया) गठबंधन की कई पार्टियों के सांसद सुबह करीब 10.30 बजे जमा हुए। उनके हाथों में ऐसे प्लेकार्ड थे जिनमें सवाल किया गया था कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई का आदेश किसने दिया था। उन्होंने छात्रों के खिलाफ पुलिस द्वारा बल प्रयोग और अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए दिए गए चंदे से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए नारे लगाए।

सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली सरकार को निर्देश, पैलेट गन से घायल छात्रों को मिले तुरंत बेहतर इलाज

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और बरेली में व्यापक सुरक्षा तथा यातायात प्रबंध किए गए हैं। मुजफ्फरनगर में चार अगस्त से दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग और गंग नहर मार्ग पर

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल हुए लोगों को उचित इलाज मुहैया कराए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहन की बेंच ने आदेश दिया, दिल्ली सरकार घायल याचिकाकर्ता या इसी तरह की स्थिति वाले अन्य व्यक्तियों को इलाज मुहैया कराएगी। शीर्ष अदालत जंतर-मंतर और दिल्ली के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर धातु की पैलेट गन के इस्तेमाल के आरोप वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान, बेंच ने कहा कि पुलिस नियम असाधारण परिस्थितियों में पैलेट गन के इस्तेमाल की इजाजत देते हैं और कहा कि जब तक नियमों को ही चुनौती नहीं दी जाती, तब तक ऐसे हथियारों के इस्तेमाल को गैर-कानूनी नहीं माना जा सकता। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि अगर कानून पुलिस को उन गंभीर स्थितियों में गोलियां चलाने की इजाजत देता है जहां लाठीचार्ज या आंसू गैस से हिंसा को नियंत्रित नहीं किया जा सकता, तो अदालत को यह देखना होगा कि पैलेट गन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक कैसे लगाई जा सकती है, खासकर तब जब कोई शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन उपद्रवियों द्वारा हाईजैक कर लिया जाए और हिंसक हो जाए। जस्टिस बागची ने कहा पुलिस के नियम खास हालात में इनके इस्तेमाल की इजाजत देते हैं, जब तक कि आप खुद उन नियमों को ही चुनौती न दें। हालात के हिसाब से कदम उठाने के तरीकों में से एक तरीका पेलेट गन का इस्तेमाल भी है। चीफ जस्टिस ने आगे कहा, इनके बहुत ज्यादा इस्तेमाल के आरोपों को देखते हुए, आपकी मांग यह होनी चाहिए कि कोर्ट इनके इस्तेमाल के लिए कोई प्रोटोकॉल तय करे। जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि अधिकारियों को पुलिस फोर्स को इस तरह तैयार करना चाहिए कि उन्हें ऐसे कड़े कदम न उठाने पड़ें। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा जब छात्र विरोध-प्रदर्शन करते हैं, तो हम शांतिपूर्ण तरीके से निपटने के पक्ष में हैं। लेकिन साथ ही, अपने फायदे के लिए असली विरोध-प्रदर्शनों को हाईजैक करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। अपनी पुलिस को इस तरह तैयार करें कि उन्हें ऐसे कदम न उठाने पड़ें। सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि पुलिसकर्मियों को सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं।

याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि इस्तेमाल किए गए प्रोजेक्टाइल धातु के पेलेट थे, जो घायल प्रदर्शनकारियों के शरीर से निकाले गए थे। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे गोला-बारूद का इस्तेमाल पूरी तरह से जरूरत से ज्यादा था, क्योंकि भीड़ हिंसक नहीं थी।

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में ह्यडिजिटल अरेस्टह्व को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत

दिलीप कुमार पाठक

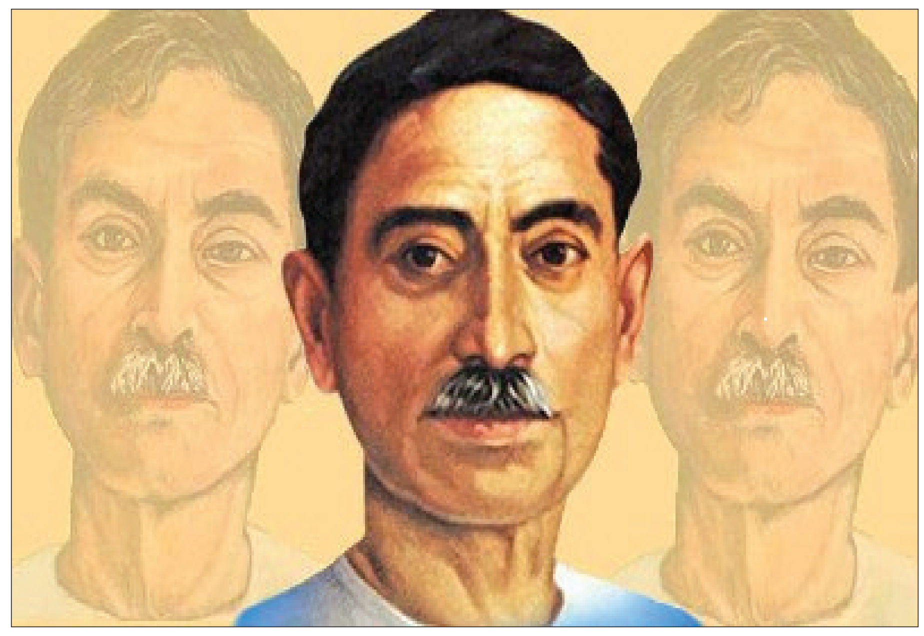

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग दृष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं।

अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा

सुनील कुमार महला

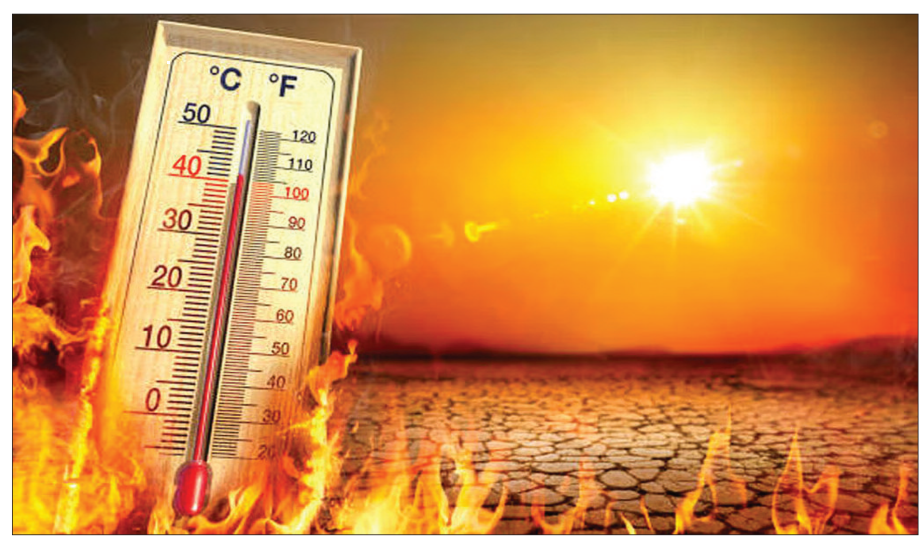

आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपेक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख (430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।

बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ने नवगत खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार का किया भव्य स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के बैनर तले गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय याहियापुर अमरोहा में नवगत खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार के स्वागत का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ब्लॉक के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं शिक्षा मित्रों आदि ने प्रतिभा किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव व जिला अध्यक्ष जमशेद शरीफ द्वारा शिक्षकों को गुरु पूर्णिमा की बधाई देते हुए शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने एवं अपने ब्लॉक को विभागीय एवं शैक्षिक गतिविधियों में प्रथम स्थान पर रहने के लिए प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार द्वारा इस आयोजन के लिए ब्लाक कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा गया कि मैं सम्मानित शिक्षकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। ब्लॉक अध्यक्ष युनूस अली ने जनपद के कोने-कोने से आए सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नसरीन फातमा जिला संयोजिका उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त आरपी टीम खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समस्त स्टाफ परिचारक तथा वरिष्ठ शिक्षण संकुल व शिक्षकों के ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश कुमार और अन्य ब्लॉकों से आए कार्यकारिणी के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ शिक्षकों को सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी तथा प्रदेश महासचिव जिला अध्यक्ष को शौल, बुके, मिठाई देकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम मेंनिम्नलिखित शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित रहे। इस मौके पर सफी अब्बास, लोकेशन कुमार आर्य निशि भूषण,निकहत परवीन, इमराना बेबी राजेश कुमार अर्जुन अजरा परवीनसादिया परवीन, अशरा अतीक धर्मेंद्र कुमार,कवेंद्र सिंह, नुसरत नकवी,शीबान कादरी, सुशील शर्मा,शमीम अहमद, तनु, प्रीति, इश्तियाक हुसैन,विजेंद्र सिंह रेनू सिंह मोहम्मद वसीम, आदि सम्मानित शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

गजरौला में 'स्वदेशी जागरण मंच' के सौजन्य से 'स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान' कार्यक्रम का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में बृहस्पतिवार को दी ग्रांड प्लाजा होटल में स्वदेशी जागरण मंच के सौजन्य से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।इस दौरान वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करने दिल्ली से चलकर आए विकास चौधरी क्षेत्रीय संयुक्त सम्पर्क प्रमुख ने कहा कि भारत को आर्थिक रूप से सुरक्षित समृद्ध और स्वावलंबी बनाने के लिए हम संकल्प लेते हैं कि अपने घर परिवार व्यापार में स्थानीय और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे चाइनीज तुर्की अमेरिकी और अन्य विदेशी कंपनियों के उत्पादन के प्रयोग से बचेंगे स्वदेशी क्रय विक्रय स्वदेशी भाषा वेशभूषा उत्सव पद्धति आदि पर आग्रह रखेंगे गुणवत्तापूर्ण रोजगार से इसका प्रचार प्रसार करेंगे हर घर स्वदेशी जागरण की अलग जागते हुए मैं भी स्वदेशी उत्पाद का समर्थक हूँ मुहिम की अलग जगाएंगे विश्व पटल पर भारत की जय हो विजय हो इसके लिए स्वदेशी जागरण मंच टीम कार्य करेगी। बता दें कि आने वाली समय में भी स्वदेशी अभियान के माध्यम से दैनिक जीवन में जरूरी उत्पाद नहाने का साबुन ,कपड़े धोने का साबुन ,सौंदर्य प्रसाधन ,औषधि, टूथपेस्ट, दंत मंजन ,टूथब्रश, दाढ़ी का साबुन, ब्लैड्स ,बिस्किट्स, चॉकलेट ,दूध उत्पादन, ब्रेड चाय, कॉफी, शीतल पेय शर्बत ,चटनी ,अचार ,मुरब्बा, आइसक्रीम, खाद तेल, खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण ,गृह उपयोगी वस्तुएं,

घड़ियां ,लेखन सामग्री, जूते चप्पल, पॉलिश आदि पर विशेष फोकस करते हुए स्वदेशी ही अपनाएंगे।इस अवसर पर क्षेत्र संयुक्त सम्पर्क प्रमुख विकास चौधरी, प्रान्त सह संयोजक सुधांशु बिश्नोई, पूर्व जिला संयोजक स्वदेशी जागरण मंच आशीष गुप्ता ,राजेश आर्य मंडल उपाध्यक्ष, जिला समन्वय डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति ,स्वदेशी जागरण मंच व पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश प्रधान आदि उपस्थित रहें।

धनौरा में लेखपाल की कार्यप्रणाली से नाराज ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन,जल्द हस्तांतरण व निष्पक्ष जांच की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में गुरुवार को क्षेत्रीय लेखपाल की कार्यप्रणाली से नाराज ग्रामीणों ने परिसर में पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने लेखपाल के शीघ्र हस्तांतरण और निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं लेखपाल ग्रामीणों के द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया। बता दें कि गुरुवार को ग्राम पंचायत अलीनगर के प्रधान कृष्ण कुमार सिंह उर्फ बबलू प्रधान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे को ज्ञापन सौंपकर एक लेखपाल की कार्यप्रणाली की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की।ग्रामीणों ने ज्ञापन में कहा कि संबंधित लेखपाल का स्थानांतरण होने के बाद भी नए हल्का लेखपाल को कार्यभार नहीं सौंपा गया है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द चार्ज हस्तांतरित कराया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।ज्ञापन में सीमांकन, राजस्व संबंधी कार्यों और अन्य प्रशासनिक मामलों को लेकर भी विभिन्न बिंदु उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।लेखपाल विशाल सागर ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान के रिश्तेदारों ने कुछ विवादित भूमि खरीदी है और उस पर कब्जा दिलाने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विरुद्ध लगाए गए अवैध वसूली, अनैतिक गतिविधियों और अवैध धन अर्जित कर संपत्ति व वाहन खरीदने जैसे आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। उनका कहना है कि उनके परिवार के अन्य सदस्य भी कार्यरत हैं और वह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी से कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा नए लेखपाल को कार्यभार दिलाने की मांग की। इस दौरान सुरेश सिंह, ओंकार, जगदीश, सुशांत, गौरव, बिजेंद्र सिंह, कपिल, राजेंद्र, प्रशांत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य/ मिशन शक्ति के अंतर्गत समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, अमरोहा में मिशन वात्सल्य/मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति, वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की जिला टास्क फोर्स (DTF) के कार्यों एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब परिवार, विधवा महिला, निराश्रित अथवा अन्य पात्र लाभार्थी शासन की किसी भी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र परिवारों के बच्चों की शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित न होने पाए तथा प्रत्येक पात्र परिवार को शौचालय, आवास, पेंशन, राशन एवं अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय एवं सामंजस्य स्थापित करते हुए जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, जिससे प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के नियमित अनुश्रवण एवं क्षेत्रीय स्तर पर सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सुपरवाइजर्स को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि उनकी पहुंच सीधे गांवों एवं श्रमिक वर्ग तक होती है। इसलिए वे अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें तथा क्षेत्र में भ्रमण कर ऐसे सभी पात्र व्यक्तियों की पहचान करें, जो अभी तक किसी योजना के लाभ से वंचित हैं। ऐसे सभी लाभार्थियों को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र लाभान्वित कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने दिया जाए तथा योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षा, संरक्षण, सम्मान तथा समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र लाभार्थियों तक उनका लाभ पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुँचाया जाए। बैठक में वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की प्रगति, बाल संरक्षण से जुड़े मामलों तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के संचालन की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों का त्वरित, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर बाल हित एवं महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में गंभीरता से कार्य करें। बैठक में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें बाल कल्याण समिति की कार्यप्रणाली एवं प्रकरणों की समीक्षा, किशोर न्याय बोर्ड के प्रकरणों की समीक्षा, चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं केसों की समीक्षा, उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा (सामान्य) योजना से संबंधित स्वीकृतियों की समीक्षा, श्रम विभाग द्वारा बाल श्रमिकों से संबंधित केसों की समीक्षा तथा एस0एन0जेपी0यू0, बाल विवाह की रोकथाम के संबंध में जनपद में अब तक की गई कार्यवाही एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा और'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत विगत वित्तीय वर्ष में किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी तथा योजना के प्रभावी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर में प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा, वन स्टॉप सेंटर में स्थापित पुलिस चौकी की समीक्षा कर वन स्टॉप सेंटर के विषय के बारे में विस्तार से जानकारी दे गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रमाकांत सागर, सी0एम0एस0, जिला प्रोबेशन अधिकारी, महिला कल्याण विभाग के अधिकारी, संबंधित विभागों के प्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

रहरा में 35 वर्षीय विवाहिता ने लगाई फांसी

कमरे में दुपट्टे के सहारे लटका मिला शव, पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा

अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार सुबह एक 35 वर्षीय विवाहिता का शव घर के कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतका की पहचान पोरारा गांव निवासी कंचन देवी (35) पत्नी मोहित उर्फ बिन्नू सिंह त्यागी के रूप में हुई है। कंचन देवी पिछले कुछ वर्षों से अपने परिवार के साथ गाजियाबाद के लोनी में रह रही थीं। उनके पति गाड़ी चालक हैं, जबकि कंचन देवी एक निजी अस्पताल में नर्स के तौर पर कार्यरत थीं। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। परिजनों के अनुसार कंचन देवी बुधवार रात करीब नौ बजे अकेले पोरारा गांव स्थित अपने घर पहुंची थीं। रात में खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चली गईं। गुरुवार सुबह जब काफी देर तक उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो उनकी सास उन्हें जगाने गईं। कमरे के अंदर का दृश्य देखकर वह चौंक गईं। कंचन देवी का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ था। शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना पर रहरा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

टीम ने कमरे और आसपास के स्थान का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस परिजनों से भी घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है। रहरा थाना अध्यक्ष अमित तोमर ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

मंडी धनौरा पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी का किया खुलासा, चोरी की ई-रिक्शा 4 बैटरियां व पुर्जे सहित एक गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी के मुकदमे का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक चोरी की ई-रिक्शा (बिना नंबर), 04 अदद बैटरियां, ई-रिक्शा के अन्य पुर्जे तथा एक ई-रिक्शा संख्या UP-23-BT-1681 बरामद की है। दूसरे ई-रिक्शा को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज किया गया है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(4)/ 318(4) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है।

आपको बता दे कि 10 जुलाई 2026 को थाना मंडी धनौरा पर ई-रिक्शा चोरी के संबंध में मु0अ0सं0 219/2026 धारा 123/303 (2)/317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। विवेचना एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने अभियुक्त नफीश कुरैश को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने लगभग 15 दिन पूर्व चोरी की उक्त ई-रिक्शा को 20,000 रुपये में दो व्यक्तियों से खरीदा था। इन दोनों ने धनौरा क्षेत्र में एक व्यक्ति को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर ई-रिक्शा चोरी की थी। दोनों मुख्य अभियुक्त पूर्व में गिरफ्तार होकर जेल जा चुके हैं। स्वयं के पकड़े जाने के भय से वह चोरी की ई-रिक्शा को छिपाकर नौगावां क्षेत्र में बेचने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बरामद ई-रिक्शा (बिना नंबर प्लेट एवं चेसिस नंबर), उसकी चार बैटरियां एवं अन्य पुर्जों का मिलान करने पर यह थाना मंडी धनौरा पर पंजीकृत उक्त मुकदमे से संबंधित पाया गया। अभियुक्त को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी कार्यालय पर बुधवार को सामाजिक समरसता महारैली को सफल बनाने को लेकर पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने बताया कि आज 31 जुलाई को ताल कटोरा स्टेडियम नई दिल्ली में सुभासपा सुप्रीमो एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के नेतृत्व में सामाजिक समरसता महारैली का आयोजन किया जा रहा है। यह महारैली सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और पिछड़े-दलित समाज की एकजुटता का प्रतीक है। अमरोहा जनपद से हम 15 बसों और करीब 20 कारों द्वारा सुबह 8 बजे कार्यकताओं को लेकर दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता लेकर पहुँचे, ताकि हम अपनी ताकत पूरे प्रदेश को दिखा सकें। सुभासपा का झंडा बुलंद करने का समय आ गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष बलराज सिंह प्रजापति ने कहा कि हमें अपने जनपद से अधिक से अधिक कार्यकताओं को लेकर दिल्ली पहुँचना है। यह महारैली हमारी एकता और संघर्ष का संदेश देगी। ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व में हम सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई लड़ रहे हैं। हर कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाए। जिस दिन हम संगठित होकर अपनी ताकत दिखा देंगे, उस दिन कोई भी हमारी आवाज को नजरअंदाज नहीं कर पाएगा। अमरोहा को महारैली में सबसे आगे रहना है।

इसके अलावा महारैली में कार्यकताओं को ले जाने के लिए जसवीर सिंह चौहान, विनीत चौहान, रमेश प्रजापति, अतिकूर रहमान, पदम सिंह, इस्लामुद्दीन इदरीसी, राजेंद्र सिंह बग्गा, कन्हई राम प्रजापति, दिनेश सैन, अरुण कुमार, नरेश कुमार आदि को बसों का प्रभारी बनाया गया है। इस दौरान यूनुस सैफी प्रधान, आदेश अमरोही, मोहम्मद नाजिम, सलमान, पदम सिंह, चेतन सिंह, रामगोपाल जाटव, यूसुफ सैफी, पवन प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा के चलते ट्रैफिक प्लान लागू, कई मार्गों पर भारी वाहनों का रूट डायवर्ट

कई जनपद सहित दिल्ली मार्गों पर यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव, गंगा एक्सप्रेस-वे से होकर होगा आवागमन

अमरोहा(सब का सपना):- कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया है। इस योजना के तहत बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, बिजनौर, मेरठ, हापुड़ और दिल्ली की ओर आने-जाने वाले भारी एवं कई स्थानों पर हल्के वाहनों के मार्गों में परिवर्तन किया गया है।

प्रशासन के अनुसार बरेली से दिल्ली जाने वाले भारी वाहनों को आंवला, शाहबाद, बिलारी, चन्दौसी, बबराला, डिबाई, नरौरा और बुलंदशहर होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। वहीं रामपुर से दिल्ली जाने वाले मालवाहक वाहनों को शाहबाद, बिलारी, चन्दौसी, बहजोई और गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते खडलिया कट सिम्भावली (हापुड़) होते हुए दिल्ली की ओर भेजा जाएगा। मुरादाबाद से दिल्ली और गाजियाबाद जाने वाले भारी व हल्के वाहनों के लिए तीन अलग-अलग डायवर्जन रूट निर्धारित किए गए हैं। वाहनों को मुरादाबाद टोल प्रथम, टोल द्वितीय तथा जीवाई चौकी से डायवर्ट कर बिलारी, चन्दौसी, बहजोई, सम्भल, खीरनी और गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते दिल्ली भेजा जाएगा। संभल से दिल्ली जाने वाले भारी वाहनों को बहजोई, खीरनी और गंगा एक्सप्रेस-वे के माध्यम से खडलिया कट सिम्भावली होकर दिल्ली भेजा जाएगा। वहीं अमरोहा, गजरौला और हसनपुर से दिल्ली जाने वाले वाहनों के लिए भी गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। बिजनौर के चांदपुर से दिल्ली जाने वाले वाहनों को जलीलपुर, गंगा पुल, हस्तिनापुर, मवाना और मेरठ के रास्ते भेजा जाएगा, जबकि धनौरा से दिल्ली जाने वाले भारी वाहनों को पत्थरकुटी, नौगावां, फीना, चांदपुर, बिजनौर और मेरठ होकर दिल्ली भेजा जाएगा। इसके अलावा दिल्ली और गाजियाबाद से बरेली एवं लखनऊ की ओर जाने वाले भारी वाहनों को गंगा एक्सप्रेस-वे, बुलंदशहर, डिबाई, नरौरा, गुन्नौर, सहसवान और बदायूं के रास्ते भेजा जाएगा। मेरठ से मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ जाने वाले वाहनों के लिए बिजनौर, धामपुर, स्योहारा, कांठ और मुरादाबाद मार्ग निर्धारित किया गया है। अमरोहा शहर में भी दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए अलग ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। मुरादाबाद की ओर जाने वाले वाहन टीपी नगर तिराहा, गांधी मूर्ति, नंदन स्वीट्स, माया धर्मकांटा और कैलसा होकर जाएंगे, जबकि दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ जाने वाले वाहन अतरासी पुलिस चौकी, हसनपुर और गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि निर्धारित डायवर्जन प्लान का पालन करें, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यातायात पुलिस के निदेशों का पालन कर सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करें।

राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, अमरोहा में नि:शुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु आवेदन आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कैलसा रोड, अमरोहा द्वारा मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना के अंतर्गत जनपद के बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार एवं रोजगारोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित अवधि में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे प्रतिभागी स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें। इस प्रशिक्षण की अवधि दो दिन है। न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 01 जुलाई 2026 को 21 वर्ष तथा कुल 330 सीटें निर्धारित हैं। आवेदन पत्र 01 अगस्त 2026 से प्राप्त एवं जमा किए जा सकेंगे। प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। एक माह के बेकरी/पाककला प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बेकरी उत्पाद एवं पाककला का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण अवधि एक माह, न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 01 जुलाई 2026 को 18 वर्ष तथा कुल 30 सीटें निर्धारित हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 है। यह प्रशिक्षण भी पूर्णतः निःशुल्क है।

100 दिवसीय उद्यमिता विकास खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को खाद्य प्रसंस्करण, उद्यमिता विकास तथा व्यवसाय स्थापना का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि 100 दिन, न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 01 जुलाई 2026 को 18 वर्ष तथा कुल 30 सीटें निर्धारित हैं। इस प्रशिक्षण हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 है तथा प्रशिक्षण शुल्क मात्र 300 निर्धारित किया गया है। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, अमरोहा के प्रभारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन कर इन रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7456089286 एवं 7248149138 पर संपर्क किया जा सकता है।

ट्यूबवेलों से चोरी करने वाला शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा, चोरी का स्टार्टर बरामद

हजरतनगरगढ़ी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना हजरतनगरगढ़ी पुलिस ने ट्यूबवेलों से सामान चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया ट्यूबवेल का स्टार्टर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 7 जुलाई को थाना हजरतनगरगढ़ी क्षेत्र निवासी रविन्द्र कुमार पुत्र चन्द्रपाल ने तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी ट्यूबवेल समेत आसपास की अन्य ट्यूबवेलों से अज्ञात चोरों द्वारा सामान चोरी कर लिया गया है। शिकायत के आधार पर थाना हजरतनगरगढ़ी में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। गुरुवार को थाना हजरतनगरगढ़ी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुकदमे से संबंधित आरोपी रिंकू पुत्र नेम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके कब्जे से चोरी किया गया एक ट्यूबवेल का स्टार्टर भी बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। मामले में अन्य आरोपियों और चोरी के शेष सामान की बरामदगी के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है।

गजरौला पुलिस ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले एक आरोपी को किया गिरफ्तार,एक की तलाश जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला पुलिस ने एक नाबालिक छात्रा से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को रफ्तार किया है जबकि इस मामले में संलिप्त एक फरार आरोपी की पुलिस की तरफ से तलाश जारी है। जिसको लेकर पुलिस अश्लील वीडियो बनाने वाले दूसरे आरोपी की तलाश में आरोपी के घर लगातार दबीश दे रही है। बता दें कि इस मामले पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस के अनुसार, रजबपुर थाना क्षेत्र की निवासी पीड़िता को उसकी दो सहेलियां जन्मदिन का गिफ्ट दिलाने के बहाने गजरौला शहर के एक कमरे में ले गईं। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद दो युवकों ने छात्रा को कमरे में बंद कर दिया।दर्ज तहरीर के मुताबिक, एक युवक ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया, जबकि दूसरे ने इस पूरी घटना का अश्लील वीडियो बना लिया। आरोपियों ने पीड़िता को करीब आधे घंटे तक बंधक बनाए रखा और किसी को भी बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी।घटना के बाद छात्रा ने अपने परिजनों को पूरी बात बताई। परिजन उसे लेकर गजरौला थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रजबपुर थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव निवासी अक्षय और शिवम के खिलाफ मामला दर्ज किया। गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अक्षय को गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो बनाने वाले आरोपी शिवम की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस ने यह भी बताया कि इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

डीएम के निर्देश पर बी-पैक्स के कैडर सचिव निलंबित, विस्तृत जांच के आदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देश पर जिला प्रशासनिक समिति/सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, संभल के सदस्य सचिव ज्ञान प्रकाश सिंह ने बी-पैक्स खिरकवारी एवं हिम्मतपुर (विकास खंड जुनावई) के कैडर सचिव कृष्णपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार विभागीय जांच समिति द्वारा 9 जुलाई को प्रस्तुत अंतरिम एवं अनंतिम जांच आख्या में सामने आए तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जांच में समिति के कार्यों का नियमानुसार संचालन न करने तथा अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन न करने के आरोप पाए जाने पर निलंबन का निर्णय लिया गया। आदेश के मुताबिक निलंबन अवधि के दौरान कृष्णपाल सिंह का संबंध बी-पैक्स हिम्मतपुर से संबद्ध रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही उनके विरुद्ध आरोप पत्र तैयार करने के लिए अपर जिला सहकारी अधिकारी, तहसील गुन्नौर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि बी-पैक्स हिम्मतपुर एवं खिरकवारी में कृष्णपाल सिंह के कार्यकाल की विस्तृत जांच कर एक सप्ताह के भीतर साक्ष्यों सहित आरोप पत्र तैयार कर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

जिला प्रशासनिक समिति द्वारा जारी यह आदेश आगामी समिति बैठक में अनुमोदन की प्रत्याशा में प्रभावी किया गया है।

छात्राओं को ट्रैक सूट, जूते व खेल सामग्री वितरित, फिट इंडिया अभियान को मिली गति

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में गुरुवार को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में भारतीय रेल वित्त निगम (IRFC) की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) योजना के अंतर्गत छात्राओं को ट्रैक सूट, टी-शर्ट, जूते तथा विभिन्न खेल सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में खेलों के प्रति रुचि और सहभागिता बढ़ाना तथा उन्हें आवश्यक खेल संसाधन उपलब्ध कराकर फिट गर्ल्स, फिट इंडिया अभियान को मजबूती प्रदान करना था। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने छात्राओं से उपलब्ध कराई गई खेल सामग्री का नियमित उपयोग करने और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वीर इन्द्रा सोशल ग्रुप सोसायटी की प्रतिनिधि वंदना राय ने छात्राओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देना संस्था की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने छात्राओं से खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

अखिलेश यादव के स्वागत में सपा कार्यकताओं का शक्ति प्रदर्शन,फूल मालाओं से हुआ अभिनंदन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का गुरुवार को जनपद संभल के विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। वह सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ संभल होते हुए बदायूं जनपद के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उनके स्वागत के लिए मार्ग में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक पहले से मौजूद रहे। चंदौसी विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी के समर्थकों ने भी अखिलेश यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान हजारों समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा समाजवादी पार्टी के समर्थन में जमकर नारेबाजी करते हुए उनका अभिनंदन किया। पूरे मार्ग पर उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। अखिलेश यादव ने अपने वाहन से ही हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान करते हुए वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। स्वागत समारोह में समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

110 से अधिक विद्यालयों में तिथि भोजन का आयोजन, बच्चों के साथ बांटी गई खुशियां

संभल(सब का सपना):- प्रधानमंत्री पोषण (मध्यान्ह भोजन) योजना के अंतर्गत संचालित तिथि भोजन-आओ खुशियां बांटे कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जनपद के 110 से अधिक विद्यालयों में विशेष तिथि भोजन का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को रुचिकर एवं पौष्टिक भोजन के साथ फल, मिष्ठान और अन्य पोषक सामग्री वितरित की गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को विद्यालयों से जोड़ते हुए बच्चों के साथ अपनी खुशियां साझा करने के लिए प्रेरित करना है। इसके अंतर्गत जनप्रतिनिधि, अभिभावक, अधिकारी कर्मचारी, समाजसेवी एवं आमजन अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, परीक्षा में सफलता, सेवानिवृत्ति या अन्य विशेष अवसरों पर विद्यालयों में बच्चों को भोजन अथवा पोषक सामग्री उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को विकास खंड रजपुरा के 110 से अधिक विद्यालयों में, जिनमें 100 से अधिक विद्यालय रजपुरा क्षेत्र के रहे, बच्चों को विशेष तिथि भोजन कराया गया। इससे पहले 27 जुलाई को विकास खंड संभल एवं पंवासा के 240 विद्यालयों, 28 जुलाई को 15 विद्यालयों तथा 29 जुलाई को 14 विद्यालयों में भी तिथि भोजन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जिलाधिकारी की प्रेरणा एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में संचालित इस अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने की अपील की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अभिभावकों, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों, ट्रस्टों एवं समाजसेवियों से आग्रह किया कि वे अपने निकटतम परिषदीय विद्यालयों से संपर्क कर बच्चों के साथ अपनी खुशियां साझा करें तथा आवश्यकता अनुसार विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन के लिए शेड सहित अन्य सुविधाओं के विकास में भी सहयोग प्रदान करें।

श्रावण के हर सोमवार शिवालयों में होगी सामूहिक महा आरती, हिंदू जागृति मंच ने बनाई रूपरेखा

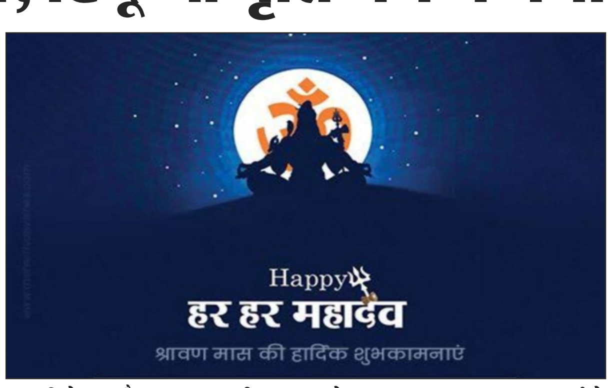

संभल (सब का सपना):- जनपद में हिंदू जागृति मंच ने श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में सामूहिक महा आरती आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में तिरंगा मार्केट स्थित मंच कार्यालय पर आयोजित बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए हिंदू जागृति महिला मंच की जिलाध्यक्ष मीनू रस्तोगी ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान कांवड़ियों का स्वागत-अभिनंदन करना तथा प्रत्येक सोमवार को संध्या बेला में शिवालयों में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और महा आरती का आयोजन करना अत्यंत पुण्यदायी है। उन्होंने बताया कि मंच ने श्रावण के सभी सोमवारों के लिए नगर के विभिन्न मंदिरों में सामूहिक महा आरती की तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने प्रदेश महामंत्री सुबोध कुमार गुप्ता को श्रावण मास के सामूहिक महा आरती कार्यक्रम का प्रभारी मनोनीत किया। उन्होंने कहा कि हिंदू जागृति मंच की वर्षों पुरानी परंपरा रही है कि श्रावण मास में शिव मंदिरों में भक्ति, कीर्तन, सत्संग, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक एवं सामूहिक महा आरती का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष प्रयास रहेगा कि नगर के सभी प्रमुख शिवालयों में एक साथ महा आरती कर शिवमय वातावरण बनाया जाए। बैठक में ज्योति गुप्ता, आशा गुप्ता, सुभाष चंद्र मोंगिया, श्याम शरण शर्मा, सुभाष चंद्र शर्मा, अतुल कुमार शर्मा, अंकुर रस्तोगी, शालिनी रस्तोगी, विकास कुमार वर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक की अध्यक्षता सुमन लता शर्मा ने की, जबकि संचालन बबीता भारद्वाज ने किया।

कांवड़ यात्रा को लेकर संभल प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा से सुविधाओं तक किए व्यापक इंतजाम

सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, पुलिसकर्मी तैनात, कांवड़ मार्ग गड्ढामुक्त,घाटों, मंदिरों और मार्गों पर कड़ी सुरक्षा

संभल (सब का सपना):- जनपद में श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। पूरे जिले को पांच जोनों में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। 12,456 सीसीटीवी कैमरों और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से पूरे कांवड़ मार्ग की निगरानी की जाएगी। प्रशासन ने नौ प्रमुख कांवड़ मार्गों पर विशेष मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है, जबकि 17 थाना क्षेत्रों में शिफ्टवार मजिस्ट्रेट और प्रमुख मंदिरों पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 2017 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी, पीएसी, यातायात पुलिस तथा यूपी-112 की टीमें लगातार निगरानी करेंगी। जिले में 19 प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक डायवर्जन भी लागू रहेगा। कांवड़ियों की सुविधा के लिए 130.33 किलोमीटर लंबे मार्गों को गड्ढामुक्त किया गया है। बिजली के पोलों की रैपिंग, ट्रांसफार्मरों की बैरिकेडिंग, ढीले तारों को ठीक करने तथा मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की गई है। साथ ही साफ-सफाई, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है। राजघाट, संकरा घाट, साधुमणि, असदपुर और हरिबाबा बांध घाट सहित प्रमुख गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग, गोताखोरों और 24 घंटे मेडिकल टीमों की तैनाती की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस, अग्निशमन दल और कंटीजेंसी प्लान भी तैयार रखा गया है। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए प्रशासन की पूरी मशीनरी मुस्तैद है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

रजबपुर क्षेत्र में हाईवे-9 पर बाइक फिसलने से बाइक सवार की मौके पर मौत

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर एक बाइक फिसलने से उस पर सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस युवक के शव को जोया सीएचसी में लेकर पहुंची जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र स्थित श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के निकट नेशनल हाईवे 9 पर एक बाइक सवार युवक की बाइक अचानक हाईवे पर फिसल गई जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई जिसने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पाकर रजबपुर थाना प्रभारी विकास सेहरावत अन्य पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे जिन्होंने मृतक युवक की शिनाख्त के प्रयास किए। पुलिस द्वारा की गई शिनाख्त में पाया गया कि मृतक युवक का नाम सुहेल आलम पुत्र नन्हे निवासी कौराला मुरादाबाद का रहने वाला था। जिसके बाद पुलिस मृतक युवक को जोया सीएचसी लेकर पहुंची जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में जानकारी देते हुए रजबपुर थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि युवक मुरादाबाद से गजरौला की तरफ जा रहा था अनुमान है कि तेज बारिश में बाइक फिसलने से उसकी बाइक हाईवे पर लगी रेलिंग में टकराई जिससे उसकी मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिजनों को सूचना दे दी गई है और अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

सावन की पहली बारिश में डूबा बिजनौर, जलभराव ने खोली नगर व्यवस्था की पोल

बिजनौर (सब का सपना):- सावन की पहली तेज बारिश ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। बारिश के कुछ ही समय बाद शहर की कई प्रमुख सड़कें और चौराहे जलमग्न हो गए। कई स्थानों पर लगभग तीन-तीन फीट तक पानी भर जाने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जलभराव के कारण शहर में यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। कई दोपहिया और चारपहिया वाहन पानी में फंस गए, जबकि राहगीरों को घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा। प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लगने से लोगों का काफी समय बर्बाद हुआ और दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए।स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति देखने को मिलती है, लेकिन इसके बावजूद जल निकासी व्यवस्था में कोई स्थायी सुधार नहीं किया गया। लोगों ने नगर की नालियों की नियमित सफाई और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। नगरवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जलभराव की समस्या का समाधान कराने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाने की मांग की है। फिलहाल सावन की पहली ही बारिश ने नगर व्यवस्था की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए कितनी तेजी और गंभीरता से कार्रवाई करता है।

स्योहारा पुलिस ने नफीस हत्याकांड का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने नफीस अहमद हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक ब्रेजा कार, एक कुल्हाड़ी तथा घटना के समय पहनी गई रक्तरंजित टी-शर्ट बरामद की है।
पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई 2026 को नफीस अहमद की गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पता चला कि नफीस की हत्या कर शव को थाना कांठ क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर गढ़ी के जंगल में रामगंगा किनारे फेंक दिया गया था। इस संबंध में थाना स्योहारा पर मुकदमा संख्या 298/2026 धारा 103(1), 238(ए), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।
पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उवेश पुत्र अहमद हसन, साजिद पुत्र अहमद हसन तथा सितारा पत्नी अहमद हसन निवासी ग्राम अलादीनपुर, थाना स्योहारा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक नफीस का उनकी बहन से पिछले लगभग सात वर्षों से प्रेम-प्रसंग था। परिवार के विरोध के बावजूद वह संबंध बनाए रखने और विवाह का दबाव बना रहा था। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने पहले उसे अपने घर बुलाया, फिर कथित रूप से बंधक बनाकर मारपीट की और बाद में कार से जंगल ले जाकर उसकी हत्या कर शव को खाई में फेंक दिया। लौटते समय उसका मोबाइल फोन भी तोड़कर रास्ते में फेंक दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ब्रेजा कार (UP14 EW 7698), एक कुल्हाड़ी तथा रक्तरंजित टी-शर्ट बरामद की है। आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में थाना स्योहारा पुलिस टीम ने इस हत्याकांड का सफल अनावरण किया।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में विज्ञान मेला, छात्राओं के मॉडल बने आकर्षण का केंद्र

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्वामी सत्यानंद सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में गुरुवार को विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। मेले में छात्राओं ने भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान से संबंधित आकर्षक व वर्किंग मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों ने छात्राओं के नवाचार और वैज्ञानिक सोच की सराहना की।
विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम प्रधानाचार्या उमा गुप्ता एवं प्रधानाचार्य योगेश त्यागी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

बिजनौर में कार और स्कूटी से लदे कंटेनर की भीषण टक्कर, दो चालक घायल

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र के नजीबाबाद रोड स्थित मधुबन फार्म के पास गुरुवार को एक कार और स्कूटी से लदे कंटेनर के बीच भीषण टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा कंटेनर चालक को नींद की झपकी आने के कारण हुआ बताया जा रहा है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी से लदा कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में कार चालक और कंटेनर चालक दोनों घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे के कारण कुछ समय तक नजीबाबाद रोड पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटे हुए कंटेनर को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। मामले की जांच की जा रही है।

जियो कंपनी कर्मी के खाते से साइबर ठगों ने उड़ाए 32 हजार रुपये, पुलिस से लगाई कार्रवाई की गुहार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- तमाम जागरूकता अभियानों और लगातार चेतावनी के बावजूद साइबर अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला नगीना क्षेत्र का है, जहां जियो मोबाइल कंपनी में कार्यरत एक कर्मचारी के बैंक खाते से साइबर ठगों ने करीब 32 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर थाना बिजनौर में शिकायत देकर धनराशि वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के ग्राम बिंजाहेड़ी निवासी कमल कुमार पुत्र चंद्रपाल सिंह सैनी ने साइबर थाना प्रभारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका इंडिया ओवरसीज बैंक, नजीबाबाद तथा पंजाब नेशनल बैंक, अकबराबाद में खाता है। आरोप है कि साइबर अपराधियों ने 29 मई को उसके इंडिया ओवरसीज बैंक खाते से पहले 2,000 रुपये और फिर 29,000 रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने यह भी बताया कि उसके भाई जोगेश कुमार के पंजाब नेशनल बैंक खाते से भी साइबर ठगों ने 5,000 रुपये निकाल लिए। कमल कुमार का कहना है कि उसका इंडिया ओवरसीज बैंक का खाता वेतन (सैलरी) खाता है, जिसमें बाहरी लेन-देन नहीं होता, इसके बावजूद खाते से रकम निकल जाने से वह और उसका परिवार परेशान हैं।
पीड़ित ने साइबर पुलिस से दोनों खातों से निकाली गई धनराशि वापस दिलाने, साइबर ठगी करने वाले आरोपियों का पता लगाकर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मामले में साइबर पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता आयोजित

बिजनौर (सब का सपना):- श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा जनपद के वरिष्ठ पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता आयोजित की गई।
प्रेस वार्ता के दौरान कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था, रूट डायवर्जन, यातायात प्रबंधन, ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए व्यापक प्रबंधों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। यात्रा मार्गों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और प्रत्येक गतिविधि पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों से जनहित में सही, तथ्यात्मक एवं प्रमाणिक जानकारी का प्रचार-प्रसार करने तथा अफवाहों से बचने की अपील की। साथ ही कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित बनाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया।प्रेस वार्ता में पत्रकारों ने भी विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े सुझाव साझा किए, जिन पर पुलिस प्रशासन ने सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपती गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना-नजीबाबाद मार्ग पर गुरुवार दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को राहगीरों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।
जानकारी के अनुसार, मोहल्ला लाल सराय निवासी नईम अहमद (45) अपनी पत्नी मुसिद जहां (42) के साथ बाइक से नजीबाबाद से नगीना लौट रहे थे। नईम बाइक चला रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक नगीना-रायपुर तिराहे के निकट स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तभी पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर जुटे राहगीरों ने तत्काल दोनों को उपचार के लिए सीएचसी नगीना पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सीएचसी पहुंची और घायलों से घटना की जानकारी लेने के साथ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

बाल श्रम के खिलाफ बिजनौर में संयुक्त अभियान, एक नाबालिग बाल श्रमिक रेस्क्यू

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में गुरुवार को बाल श्रम उन्मूलन एवं बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के उद्देश्य से संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और ढाबों पर सघन जांच की गई, जिसमें एक नाबालिग बालक बाल श्रम करते हुए मिला। संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बच्चे को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। यह अभियान चाइल्ड हेल्पलाइन बिजनौर के परियोजना समन्वयक हिमांशु पाराशर, श्रम विभाग की लेबर इंस्पेक्टर प्रीति सोम तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (AHT) थाना बिजनौर के प्रभारी लखपत सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। रेस्क्यू किए गए बालक को नियमानुसार बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को उसकी माता के सुपुर्द कर दिया। संयुक्त टीम ने बाल श्रम कराने वाले संबंधित दुकान संचालक के विरुद्ध बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम सहित अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। अभियान के दौरान टीम ने दुकानदारों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से कार्य कराना कानूनन अपराध है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त निरीक्षण टीम ने आम नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी बाल श्रम या बच्चों के शोषण का मामला सामने आए तो इसकी सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या स्थानीय पुलिस को दें। टीम ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए नगीना सीओ कार्यालय में 24 घंटे कंट्रोल रूम शुरू

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सावन माह की कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवधानरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) नगीना राजेश कुमार सोलंकी ने बताया कि सीओ कार्यालय में अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का संचालन शुरू कर दिया गया है, जो 24 घंटे सक्रिय रहकर कांवड़ यात्रा मार्गों की निगरानी करेगा। सीओ राजेश कुमार सोलंकी ने चितौड़गढ़ चौकी पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि सर्किल के चारों थाना क्षेत्रों–नगीना, नगीना देहात, कोतवाली देहात और बढ़ापुर–में स्थापित प्रमुख सीसीटीवी कैमरों को इंटरनेट के माध्यम से कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है। यहां तैनात पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे यात्रा मार्गों पर नजर रखेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान जगह-जगह पुलिस पिकेट तैनात रहेगी तथा लगातार गश्त की जाएगी। यात्रा मार्ग पर अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा और शिवभक्त कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। यात्रा में व्यवधान उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। सीओ ने बताया कि किसी भी सूचना या आपात स्थिति के लिए कंट्रोल रूम का सीयूजी नंबर 7839864451 जारी किया गया है। इस नंबर पर कांवड़िए और आमजन यात्रा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों के आवागमन वाले सभी प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया गया है। सीओ नगीना सहित चारों थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहेंगे, ताकि शिवभक्तों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु बनी रहे।

बेखौफ चोरों ने दो किसानों की ट्यूबवेल लाइन काटी, छह खंभों की बिजली तार चोरी

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर के जंगल में चोरों ने एक बार फिर किसानों को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोर ट्रांसफार्मर से खेतों तक जाने वाली करीब छह बिजली के खंभों की विद्युत लाइन काटकर ले गए। घटना में पत्रकार आकाश तोमर तथा उनके चाचा कमलजीत सिंह की ट्यूबवेल की बिजली लाइन चोरी हुई है। इससे दोनों किसानों की सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। जानकारी के अनुसार पत्रकार आकाश तोमर के पिता ओमकार सिंह रोज की तरह बुधवार शाम खेत का कार्य पूरा कर घर लौट आए थे। आशंका है कि चोरों ने पहले क्षेत्र की रेकी की और देर रात सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। बदमाश ट्रांसफार्मर से निकलने वाली विद्युत लाइन को काटकर करीब छह खंभों से तार उतार ले गए। जिस तरीके से ऊंचे खंभों से पूरी लाइन उतारी गई, उससे साफ प्रतीत होता है कि वारदात को अंजाम देने वाले शातिर और अनुभवी थे। गुरुवार सुबह जब किसान खेत पर पहुंचे तो ट्रांसफार्मर से ट्यूबवेल तक जाने वाली पूरी बिजली लाइन गायब देखकर उनके होश उड़ गए। सूचना मिलते ही आसपास के किसान भी मौके पर पहुंच गए। बिजली लाइन चोरी होने से खेतों की सिंचाई पूरी तरह प्रभावित हो गई है। बताया जा रहा है कि चोरी चांदपुर फीडर से संबंधित लाइन में हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित पत्रकार आकाश तोमर व अन्य किसानों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शीघ्र गिरफ्तारी तथा क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि स्योहारा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। खेतों में लगे कृषि उपकरण और बिजली के सामान चोरों के निशाने पर हैं। लगातार हो रही घटनाओं से किसानों में असुरक्षा का माहौल है और अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं।

पहले भी बन चुका है निशाना

ग्रामीणों के अनुसार बहादरपुर के जंगल में ट्यूबवेल से बिजली के तार चोरी होने की यह पहली घटना नहीं है। करीब तीन-चार माह पूर्व भी अज्ञात चोरों ने पत्रकार आकाश तोमर की ट्यूबवेल से मोटर का केबल चोरी कर लिया था। उस समय भी किसानों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग उठाई थी, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चोरों ने दोबारा उसी ट्यूबवेल को निशाना बना लिया। किसानों ने पुलिस से चोर गिरोह का शीघ्र खुलासा कर क्षेत्र में सख्त निगरानी की मांग की है।

ट्यूबवेल से 300 मीटर दूर खेत में मिला चोरी का तार

चोरी किया गया बिजली का तार ट्यूबवेल से करीब 300 मीटर दूर एक खेत में घास के बीच छिपा हुआ मिला। गन्ने का पत्ता उतार रहे मजदूरों की नजर तार पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने पीड़ित किसानों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बरामद तार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोर तार को खेत में छिपाकर किन परिस्थितियों में फरार हुए और उनका उद्देश्य क्या था।

ग्राम मानबपुर सईद में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की चौपाल, ग्रामीणों को दी बैंक योजनाओं की जानकारी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बेनीपुर शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को क्षेत्र के ग्राम मानबपुर सईद में वित्तीय जागरूकता चौपाल एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक अनुज कुमार ने ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं एवं शासन की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। शाखा प्रबंधक अनुज कुमार ने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसान, मजदूर सहित प्रत्येक व्यक्ति बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े। उन्होंने ग्रामीणों से बचत खाता खुलवाने, सावधि जमा (एफडी), करंट अकाउंट, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), डेयरी लोन, ट्रैक्टर लोन, कार लोन, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण, एटीएम, मोबाइल बैंकिंग तथा डिजिटल भुगतान सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। शाखा के फील्ड ऑफिसर पंकज कुमार ने समय पर ऋण की किस्त जमा करने और जिन खाताधारकों के खाते एनपीए हो चुके हैं, उन्हें शीघ्र नियमित कराने की सलाह दी, ताकि अतिरिक्त ब्याज के बोझ से बचा जा सके। उन्होंने बैंक द्वारा संचालित सब्सिडी एवं ऋण योजनाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में डेली वेजर सचिन कुमार, बीसी अनिल कुमार, चौपाल अध्यक्ष सतीश कुमार, महेंद्र सिंह, कल्याण सिंह, मुस्तकीम, बहादुर, वाजिद, दिनेश कुमार, वसीम अहमद, दीपू कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नीट-यूजी काउंसलिंग में बड़ा सुधार: अब सिर्फ एक बार जाना होगा कॉलेज, बाकी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

नई दिल्ली। नीट-यूजी काउंसलिंग में सुधार के लिए केंद्र सरकार ने एक कदम और बढ़ाया है, जिससे अभ्यर्थियों को आसानी होगी। नए प्रावधान के अनुसार, अब अभ्यर्थियों को आवंटित मेडिकल कॉलेजों में बार-बार जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पहले या दूसरे राउंड में सीट अलॉट होने वाले अभ्यर्थी अब आगे की रिपोर्टिंग और दस्तावेज सत्यापन ऑनलाइन पूरा कर सकते हैं। नए ढांचे के तहत, फ़्लोट ऑप्शन चुनने वाले अभ्यर्थी ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन पूरा कर सकते हैं और प्रोविजनल एडमिशन पा सकते हैं, और अगले राउंड के लिए अपनी अलॉटेड सीट बनाए रख सकते हैं। अगर बेहतर सीट अलॉट होती है, तो पहले वाली सीट अपने आप दूसरे उम्मीदवार को मिल जाएगी। बता दें कि जो लोग फ्रीज ऑप्शन चुनते हैं, या तीसरे राउंड के बाद सीट बनाए रखते हैं, उन्हें मूल दस्तावेज के सत्यापन और फीस के पेमेंट सहित एडमिशन की औपचारिकता पूरी करने के लिए फिजिकल रूप से रिपोर्ट करना होगा। जे पी नड्डा ने की समीक्षा वहीं, नीट-यूजी काउंसलिंग शुरू होने से पहले बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने इन सुधारों

का समीक्षा की। मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (मेडिकल एजुकेशन) डॉ. बी श्रीनिवास ने कहा, 'पहले हर अभ्यर्थी को, जिसे सीट अलॉट हुई थी, कॉलेज में खुद रिपोर्ट करना पड़ता था, भले ही वे बेहतर ऑप्शन के लिए अगले राउंड में हिस्सा लेना चाहते हों।' 'अब, वे ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन पूरा कर सकते हैं, अलॉट की गई सीट रख सकते हैं और काउंसलिंग प्रक्रिया में आगे बढ़ सकते हैं। अगर उन्हें बेहतर सीट मिलती है, तो पहले वाली सीट दूसरे उम्मीदवार को दे दी जाएगी। अगर नहीं, तो वे अपनी मूल सीट रख लेंगे।' एक और बड़ा बदलाव मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने ऑनलाइन इस्तीफा भी शुरू किया है, जिससे एलिजिबल अभ्यर्थी कॉलेज जाने के बजाय काउंसलिंग पोर्टल के जरिए अपनी अलॉट की गई सीट सरेंडर कर सकते हैं। साथ ही एक और बड़ा बदलाव किया गया। एनआरआई कैटेगरी के तहत एडमिशन का पूरा डिजिटलीकरण है।

जिन अभ्यर्थी को अतिरिक्त पात्रता दस्तावेज चाहिए, वे अब उन्हें ई-मेल से भेजने के बजाय एक डेडिकेटेड पोर्टल के जरिए अपलोड कर सकेंगे। डॉ. बी श्रीनिवास ने कहा, 'पहले ये दस्तावेज कभी-कभी स्पैम फोल्डर में चले जाते थे या छूट जाते थे, जिससे सत्यापन में देरी होती थी। अब नया सॉफ्टवेयर सीधे ऑनलाइन सत्यापन की सुविधा प्रदान करेगा।

नरौरा बैराज पर गंगा का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट, तटीय गांवों में बढ़ाई गई सतर्कता

नरौरा/बुलंदशहर (सब का सपना):- जिले के नरौरा स्थित चौधरी चरण सिंह गंगा बैराज पर पिछले 24 घंटों में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बैराज को 'मीडियम फ्लड' (मध्यम बाढ़) की श्रेणी में रखा गया है। प्रशासन ने गंगा किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और नदी के किनारे अनावश्यक आवाजाही से बचने की अपील की है। गंगा बैराज के जल लेखा सहायक देवेश कुमार के अनुसार, गुरुवार सुबह 8:00 बजे बैराज से डाउनस्ट्रीम में 1,40,452 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था, जबकि बुधवार शाम यह मात्रा 99,984 क्यूसेक थी। यानी करीब 16 घंटों में लगभग 40 हजार क्यूसेक पानी की वृद्धि दर्ज की गई है। बैराज से निकलने वाली प्रमुख नहरों में भी जल प्रवाह जारी है। लोअर गंगा कैनाल (एलजीसी) में 8,099 क्यूसेक तथा पैरेलल लोअर गंगा कैनाल (पीएलसी) में 7,432 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने निचले और तटीय क्षेत्रों पर निगरानी बढ़ा दी है। संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और स्थानीय लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निदेशों का पालन करने की अपील की गई है।

डीएम-एसएसपी ने कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने अनूपशहर स्थित एल.डी.ए.बी. इंटर कॉलेज में पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में यात्रा मार्ग, शिविर, घाट, यातायात, सुरक्षा, पार्किंग, बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत, साफ-सफाई, सीसीटीवी व ड्रोन निगरानी सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को सतर्कता, समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनपद को कांवड़ यात्रा के लिए 5 सुपर जोन, 19 जोन एवं 59 सेक्टरों में विभाजित किया गया है।

डिबाई पुलिस ने 3 घंटे में 4 वर्षीय मासूम को सकुशल खोजा

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के थाना डिबाई पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत सराहनीय कार्य करते हुए घर के बाहर खेलते समय लापता हुई चार वर्षीय बच्ची को मात्र तीन घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी विशाल प्रताप सिंह चौहान के निर्देशन में गठित चार पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाश के बाद बच्ची को सुरक्षित खोज निकाला। बच्ची के मिलने पर परिजनों ने डिबाई पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने लिया रेस्क्यू अभियान का जायजा, काली नदी में लापता मासूम चारु की तलाश तेज

बुलन्दशहर(सब का सपना):- काली नदी में लापता मासूम चारु की तलाश के लिए प्रशासन का रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। सूचना मिलते ही विधायक लक्ष्मीराज सिंह घटनास्थल पहुंचे और NDRF, SDRF तथा पुलिस अधिकारियों से अभियान की जानकारी लेकर खोज कार्य को और तेज करने के निर्देश दिए। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर पोकलेन मशीन तत्काल मौके पर पहुंचवाई तथा जिलाधिकारी से भी बातचीत कर सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मासूम चारु की तलाश प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधायक ने ईश्वर से चारु के शीघ्र पता चलने तथा परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज में गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं का हुआ सम्मान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज (KSGMC) में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमबीबीएस 2024 एवं 2025 बैच के छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों को पुष्प भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा समाज सेवा का सर्वोच्च संकल्प है। उन्होंने विद्यार्थियों से उत्कृष्ट चिकित्सकीय कौशल, नेतृत्व क्षमता और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले चोला अस्पताल के वार्ड बॉय ने की आत्महत्या

बुलन्दशहर (सब का सपना):- चोला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात 60 वर्षीय वार्ड बॉय राकेश सोलंकी ने गुरुवार सुबह अस्पताल के ड्रेसिंग रूम में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि राकेश सोलंकी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे और उनके घर में इसकी तैयारियां चल रही थीं। ग्रामीणों के अनुसार उनका स्वभाव मिलनसार था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

पीएमओ का फर्जी अफसर बनकर दबाव बनाने का मामला, एएआई अधिकारी और सुरक्षाकर्मी की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के प्रधान सचिव का प्रतिरूपण कर महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री पर दबाव बनाकर एक अधिकारी की मनचाही पोस्टिंग कराने की कथित साजिश के मामले में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) देबी सिंह राणा और केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा में तैनात अशोक कुमार की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विद्या प्रकाश ने कहा कि मामले की जांच अभी महत्वपूर्ण चरण में है और कई सह-आरोपित अब भी फरार हैं। ऐसे में दोनों आरोपितों को जमानत देने से जांच प्रभावित होने और साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत के अनुसार, जांच में सामने आया है कि महाराष्ट्र के डिप्टी कलेक्टर मधुसूदन बारगे के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई रुकवाने और उन्हें अंधेरी में डिप्टी कलेक्टर या भिवंडी में एसडीओ के पद पर तैनात कराने के लिए एक साजिश रची गई थी। जांच एजेंसी का दावा है कि बारगे ने इसके लिए पहले मयूर सनस से संपर्क किया, जिसने भंवर सिंह के माध्यम से अशोक कुमार से संपर्क साधा। इसके बाद अशोक कुमार ने देबी सिंह राणा को यह काम सौंपते हुए कथित तौर पर 10 लाख रुपये देने का आश्वासन दिया।

अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी के आरोपी राजीव बुधिराजा को दुबई जाने की मिली अनुमति, राउज एवेन्यू कोर्ट ने रद किया आदेश

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी के एक मामले में आरोपी राजीव बुधिराजा को दुबई जाने की अनुमति देने से इनकार करने वाले ट्रायल अदालत के आदेश को रद कर दिया। विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) ज्योति क्लेर ने कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मौलिक अधिकार है और केवल आशंका के आधार पर इसे प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने सात दिन के लिए दुबई जाने की अनुमति देते हुए कई कड़ी शर्तें लगाई हैं। जर्मनी के नागरिकों से साइबर ठगी करने का आरोप मामला सीबीआई के इंटरनेशनल आपरेशंस डिवीजन द्वारा दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें राजीव बुधिराजा पर सह-आरोपितों के साथ मिलकर वर्ष 2021-22 के दौरान जर्मनी के नागरिकों से साइबर ठगी करने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, ठगी की रकम से बाइनेंस प्लेटफार्म पर क्रिप्टोकरेंसी खरीदी गई और 1.42 बिटकाइन राजीव के क्रिप्टो वालेट में ट्रांसफर किए गए। इस मामले में उन पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज है।

इंदौर, सूरत और अयोध्या जाने वाले यात्रियों को मिलेगी राहत, स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए

नई दिल्ली। गर्मी की छुट्टियां समाप्त होने के बाद भी ट्रेनों में भीड़ कम नहीं हो रही है। यात्रियों को टिकट लेने में परेशानी हो रही है। कई ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची है। इसे ध्यान में रखकर कई स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में हजरत निजामुद्दीन-इंदौर स्पेशल ट्रेन और उधना-अयोध्या कैंट स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाने का निर्णय किया गया है। सप्ताह में दो दिन चलने वाली इंदौर-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन (09309) 31 जुलाई तक चलनी थी। अब यह 30 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को चलेगी। वापसी दिशा में हजरत निजामुद्दीन-इंदौर स्पेशल (09310) 31 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार व सोमवार को चलेगी। उधना (सूरत) -अयोध्या कैंट स्पेशल (09093) प्रत्येक शुक्रवार को 28 अगस्त तक चलेगी। वापसी दिशा में अयोध्या कैंट-उधना स्पेशल (09094) 29 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। वहीं, उधना-अयोध्या कैंट स्पेशल (09097) प्रत्येक मंगलवार को 25 अगस्त तक चलेगी। अयोध्या कैंट-उधना स्पेशल (09098) 26 अगस्त तक विस्तार दिया गया है। यह प्रत्येक बुधवार को रवाना होगी।

बैंक में सिक्योरिटी गार्ड की बंदूक से चली गोली, आधार कार्ड अपडेट कराने आए युवक की मौत

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका जिले के जाफरपुर कलां थाना क्षेत्र स्थित इस्सापुर गांव में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड की 12 बोर की बंदूक से अचानक गोली चलने से आधार कार्ड अपडेट कराने आए 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धारा में मामला दर्ज कर सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 11:06 बजे जाफरपुर कलां थाना पुलिस को सूचना मिली कि इस्सापुर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा में सुरक्षा गार्ड की बंदूक से गोली चल गई है, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप

से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक घायल को राव तुलाराम (आरटीआर) अस्पताल ले जाया जा चुका था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 12 बोर की बंदूक में कारतूस भरते समय हुआ हादसा मृतक की पहचान इस्सापुर निवासी मनीष कुमार (27) के रूप में हुई है। वह खेती करता था और अविवाहित था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मनीष आधार कार्ड का विवरण अपडेट कराने के लिए बैंक गया था। इसी दौरान बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड विनोद कुमार (53) अपनी 12 बोर की डबल बैरल बंदूक में कारतूस भर रहा था। इसी प्रक्रिया के दौरान अचानक ट्रिगर दब गया और गोली चल गई, जो मनीष की पीठ में जा लगी। जांच में सामने आया कि विनोद कुमार हरियाणा के झज्जर जिले का निवासी है। वह भारतीय सेना से वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुआ था और पिछले दो वर्षों से एक निजी सुरक्षा एजेंसी के माध्यम से बैंक में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत था। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज कर आरोपित सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

नीट पेपर लीक: फास्ट ट्रैक कोर्ट में जरूरी दस्तावेज नहीं दे सकी सीबीआई, अब तीन अगस्त को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले को लेकर भले ही फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया गया है, लेकिन सीबीआई द्वारा जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाने की वजह से मामले की सुनवाई तेजी नहीं पकड़ पा रही है। इस मामले में सीबीआई ने 20 हजार पेज की चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें कुछ दस्तावेज, बयानों की सूची आदि अब तक पेश नहीं किए जा सके हैं। इसके बाद दस्तावेज के अभाव में विशेष न्यायाधीश अनु गोयल बलीगा ने मामले की सुनवाई के लिए तीन अगस्त की तारीख दी है। साथ ही सीबीआई को तीन दिन के भीतर सभी दस्तावेज व बयानों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आरोपपत्र में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारी या किसी

सरकारी अधिकारी को आरोपित नहीं बनाया गया है। इस मामले में हाल ही में नियुक्त विशेष लोक अभियोजक वीके पाठक व अर्जुन आनंद सीबीआई के ओर से पैरवी करेंगे। सीबीआई ने दाखिल आरोपपत्र में दावा किया है कि पेपर लीक की पूरी साजिश का पदार्फाश कर दिया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों से लेकर बिचौलियों व लाभार्थी अभ्यर्थियों तक पूरी चेन का पता लगा लिया गया है। सीबीआई का दावा, 360 गवाहों से मिले हैं पर्याप्त साक्ष्य चार्जशीट में सीबीआई ने दावा किया है कि सभी आरोपीतों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटाए गए हैं। आरोप साबित करने के लिए 360 गवाह के अलावा जांच एजेंसी के पास 422 दस्तावेज हैं और 43 भौतिक साक्ष्य मौजूद हैं। इनकी मदद से पूरे मामले का पदार्फाश कर दिया गया है। सभी आरोपीत फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। जांच के लिए गठित की टीम, साइबर फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी लगाए सीबीआई ने बताया कि मामले की जांच के लिए 72 अधिकारियों और कर्मचारियों की कई टीमें गठित की गई हैं, जिनके साथ आठ साइबर फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी लगाए गए। दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों के 92 ठिकानों पर छापेमारी कर डिजिटल उपकरण व महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। आरोपितों से जुड़े कई बैंक खाते, लॉकर और एक डीमैट खाता भी फ्रीज किया है।

सावन के पहले दिन दिल्ली के मंदिरों में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़, जलाभिषेक के लिए विशेष इंतजाम

नई दिल्ली। श्रद्धा के महासावन का शिव भक्त दिल खोलकर स्वागत कर रहे हैं। इसके लिए मंदिरों को बहुत आकर्षक ढंग से सजाया गया है। गुरुवार को सावन के पहले दिन दिल्ली के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। तड़के से ही शिवभक्त जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचने शुरू हो गए। ऐसे में विभिन्न मंदिरों में सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। शिवालयों में भक्तों के लिए विशेष इंतजाम पुरानी दिल्ली के गौरी शंकर मंदिर, झंडेवालान मंदिर, कालीबाड़ी मंदिर, श्री गढ़ मुक्तेश्वर महादेव मंदिर, नेहरू प्लेस स्थित शिव मंदिर और लाजपत नगर, कनॉट प्लेस,

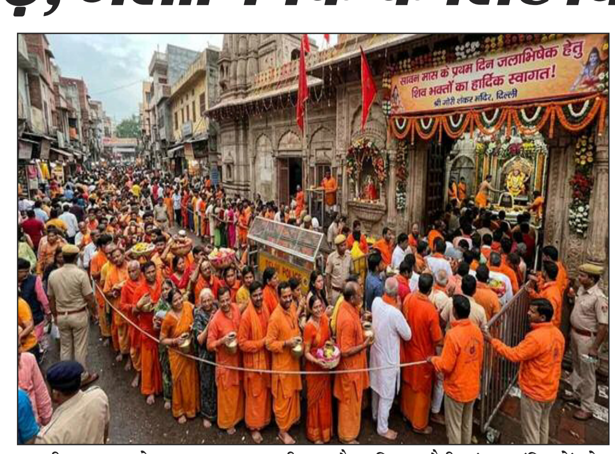

लक्ष्मी नगर, करोल बाग, जनकपुरी आदि क्षेत्रों के शिवालयों में भक्तों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। वहीं, कांवड़ियों की सेवा के लिए कैंप भी लगाए जाने लगे हैं। चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में भोर से ही श्रद्धालुओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए वालंटियर और सुरक्षाकर्मियों की विशेष तैनाती की है। मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी मंदिर परिसर को फूलों, झालरों और रंग-बिरंगी लाइटों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। इसी तरह, पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने भी विशेष तैयारी की है।

मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तो एमसीडी ने भी सफाई मोर्चे की व्यवस्था संभाल ली है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। महामृत्युंजय व रुद्राभिषेक के लिए पंडितों की बुकिंग तेज हो गई है। मंदिरों में प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई है। कई जगहों पर भंडारे भी लगाए जाएंगे।

5 बहनों के इकलौते भाई की मौत से पूरे गांव में छाया मातम, पीएफ का पैसा निकालने बैंक गए थे मनीष

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में बैंक गार्ड की बंदूक से निकली गोली से जान गंवाने वाले मनीष की मौत से पूरे इसापुर गांव में मातम पसरा है। ग्रामीणों का कहना है कि मनीष छह बहनों में इकलौता और सबसे छोटा भाई था। परिवार में एक बेटा हो, इसके लिए माता-पिता ने तो प्रार्थना की ही थी, बहनों ने भी भगवान से प्रार्थना की थी, एक भाई हो, जिसकी कलाई पर वे रक्षा बंधन के दिन स्नेह का धागा बांध सकें। लेकिन अब सबकुछ खत्म हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि मनीष की असमय हुई मौत सिर्फ मनीष के परिवार का नहीं बल्कि पूरे गांव का दुख है। ईपीएफ का पैसा निकलवाने की कर थे कोशिश मनीष के मित्र विक्की ने बताया कि मनीष दिल्ली मेट्रो में टोकन ऑपरेटर का काम संविदा पर करते थे। करीब पांच महीने पहले उनकी नौकरी छूट गई थी। नौकरी के दौरान जो पैसा ईपीएफ में जमा हुआ था, वे उसे निकालना चाहते थे। इसी सिलसिले में अपने घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित बैंक की शाखा में गए थे। वहां उन्हें पता चला कि जो नाम ईपीएफ

में दर्ज है, वह कागजात से मेल नहीं खा रहा है। उन्हें वहां किसी ने इस भूल के सुधार के लिए एक फार्म भरने के लिए कहा, जिसे वे किनारे में भर रहे थे। इसी दौरान बैंक गार्ड जो बंदूक में गोली लोड कर रहा था, उससे गोली चली जो मनीष के कमर में लगी। वहां अफरा-तफरी मच गई, इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ग्रामीणों ने उठाए सवाल ग्रामीणों का कहना है कि बैंक का गार्ड यहां कुछ ही दिन पहले आया था। इस पूरे प्रकरण में गार्ड की जो भी गलती हो, बैंक कर्मियों की भी गलती सामने आनी चाहिए। आखिर गार्ड ने बैंक के हाल में जहां लोग थे, बैंककर्मी भी थे, वहां बंदूक में गोली भरने का काम क्यों किया? यह काम तो किसी बंद कमरे या ऐसी जगह होना चाहिए, जहां किसी की आवाजाही नहीं होती हो।

आखिर इसकी अनदेखी क्यों हुई? बुजुर्ग माता-पिता का नहीं रहा सहारा मनीष के पिता डीटीसी में असिस्टेंट फोरमैन के पद से वर्ष 2011 में सेवानिवृत्त हुए थे। इनकी छह संतानों में पांचों बेटियों की शादी हो चुकी है। केवल मनीष ही अविवाहित थे। ग्रामीणों का कहना है कि बुजुर्ग माता- पिता का इकलौता सहारा अब नहीं रहा।

झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आजमाएं नारियल तेल

हमारी उम्र जैसे-जैसे बढ़ने लगती हैं उसके साथ ही कई तरह की त्वचा संबंधी परेशानियां भी होने लगती हैं। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जो समस्याएं सबसे ज्यादा परेशान करती हैं वो है झुर्रियों की समस्या। लेकिन क्या आप ये जानती है कि आप अपने चेहरे की झुर्रियों को नारियल तेल से भी कम कर सकती हैं। पुराने समय से ही नारियल के तेल का प्रयोग कई तरह की बीमारियों और त्वचा से संबंधित समस्याओं का इलाज करने के लिए किया जाता है। नारियल का तेल ना केवल बालों की समस्याओं को कम करता हैं बल्कि अगर आप इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों में करती हैं तो यह आपके स्वास्थ्य को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता हैं। नारियल का तेल आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगा और यह ज्यादा महंगा भी नही होता हैं। नारियल तेल का प्रयोग कई तरह के कॉस्मेटिक प्रॉडेक्ट में भी किया जाता हैं। आज हम आपको नारियल तेल के कुछ ऐसे ही उपयोगो के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने चेहरे की झुर्रियों को कम कर सकती हैं।

नारियल तेल का प्रयोग झुर्रियो के कम करने के लिए कैसे करें? झुर्रियों के इलाज के लिए नारियल तेल का प्रयोग करना सबसे अच्छा उपाय हैं। इससे आपकी त्वचा को किसी तरह का नुकसान भी नही होता हैं। वैसे अगर आप सोच रही है कि नारियल तेल का प्रयोग करने का कोई विशिष्ट तरीका है तो ऐसा नही हैं। लेकिन अगर आप इससे किसी अन्य सामग्री के साथ प्रयोग करने की सोच रही है तो उसके लिए आपको सभी पदार्थो की मात्रा का भी ध्यान रखना चाहिए।

नारियल तेल का प्रयोग करते समय ध्यान रखें

- नारियल तेल का प्रयोग करने से पहले अपने चेहरे से अच्छी तरह से मेकअप को जरुर हाटा लें। अगर आप सही से मेकअप साफ किए बिना नारियाल तेल का प्रयोग करेगी तो उससे आपकी झुर्रिया कम नही होगी।
- ठंडे पानी से अपने चेहरे को साफ कर के ही नारियल तेल का प्रयोग करे इससे आपकी झुर्रियां कम हो जाएगी। क्योकि ठंडे पानी से चेहरे पर मौजूद सभी तरह की गंदगी साफ हो जाती हैं।
- नारियल के तेल की कुछ बूंदें ले कर उन्हें धीरे से अपने चेहरे लगाएं तथा कुछ मिनटों के लिए मालिश करते रहे। इससे आपकी त्वचा पूरी तरह से नारियल तेल को अवशोषित कर लेगी।
- अगर आप इसका प्रयोग रोज सोने से पहले करती है तो आपके चेहरे की झुर्रियां बहुत ही कम समय में कम हो जाएगी।

चेहरे के लिए नारियाल तेल

चेहरे पर रोज नारियल तेल की मालिश करने से आपके चेहरे की झुर्रियां कम हो जाता हैं तथा आपका चेहरा कोमल भी हो जाता हैं। एक शोध के अनुसार नारियल तेल में जीवाणुरोधी और औषधीय गुण होता है जो कि सौंदर्य को बढ़ाने में मदद करता हैं। इतना ही नही इससे आपकी त्वचा में सही से रक्त का प्रवाह भी होता हैं। नारियल तेल को आप एक मॉइस्चराइजिंग एजेंट की तरह भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आप रोज एक या दो मिनट तक नारियल तेल से अपने चेहरे की मसाज करती है तो आपके चेहरे पर मौजूद झुर्रियां और निशान हल्के हो जाते हैं।

नारियल तेल का प्रयोग एंटी एजेंग के इलाज के लिए

नारियल तेल से किसी भी तरह का नुकसान नही होता है जिसके कारण आप इसको चेहरे के साथ-साथ शरीर के अन्य नाजुक अंगों पर भी प्रयोग कर सकते हैं। आप चाहे तो नारियल के तेल का प्रयोग एंटी-एजींग एजेंट की तरह भी कर सकती हैं। यह रुखी त्वचा में नमी बनाने में मदद करता हैं जिससे आपकी त्वचा स्वस्थ दिखाई देती हैं। नारियल तेल से आपकी त्वचा में चमक भी आती हैं वैसे नारियल के तेल की मदद से आप अपने शरीर पर मौजूद चोट के निशानों को भी हल्का कर सकते हैं।

नारियल तेल की मदद से हमारी त्वचा पर मौजूद डेड स्किन को भी कम किया जा सकता हैं। ये आपके शरीर के सभी हिस्सो में रक्त को पहुंचाने में मदद करता हैं तथा आपके शरीर की मासपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने मे भी मदद करता है जिससे आपको किसी भी तरह की बीमारी नही होती हैं। अगर आप अपने बढ़ते वजन के कारण बहुत परेशान है और वजन घटाने के लिए हर तरह के तरीको का प्रयोग कर के थक गई है तो आप नारियल तेल का प्रयोग करना शुरु कर दें। नारियल तेल की मदद से आप वजन कम कर सकती हैं। इतना ही नही यह मधुमेह और कैंसर के इलाज में भी मदद करता हैं। तो अपनी दैनिक दिनचर्या में नारियल तेल का प्रयोग करना शुरु करें। इससे आपका शरीर स्वस्थ बना रहेगा।

चेहरे की डेड स्किन से छुटकारा दिलाएं 5 घरेलू उपाय

खूबसूरत त्वचा किसकी ख्वाहिश नहीं होती? इसे पाने के लिए हम न जानें कितनी महंगी क्रीमे, फेसवॉश या अन्य उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन, इसके बावजूद त्वचा पर चमक नहीं आ पाती है। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों होता है? वैसे, इसके पीछे कई तरह की वजह हो सकती हैं, जिसमें मृत कोशिकाओं यानी डेड स्किन को न हटाना मुख्य कारण होता है। डेड स्किन को हटाने के लिए बाजार में कई तरह के कॉस्मेटिक उपलब्ध हैं, लेकिन इनका नकारात्मक प्रभाव आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है।

- एक ग्लास कंटेनर में नमक डालें और फिर उसमें नारियल तेल और लैवेंडर ऑयल मिला लें। अब अपनी जरूरत के हिसाब से स्क्रब इस्तेमाल करें। इसे चेहरे पर लगाकर 2-3 मिनट तक धीरे-धीरे मसाज करें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। डेड त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए हफ्ते में एक बार इस स्क्रब का उपयोग करें।
- ग्रीन-टी बैग को एक कप गर्म पानी में डालें। अब इस पानी में एक चम्मच शहद भी मिला लें। फिर इस मिश्रण से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। ध्यान रहे कि पानी गुनगुना हो और गर्म नहीं। पानी ज़्यादा गर्म न हो इसलिए पहले हाथों पर टेस्ट कर लें। थोड़ी देर बाद इसे किसी साफ-मुलायम तौलिए से पोंछ लें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।
- पपीते और ओटेस को मिलाकर पीस लें। फिर उसमें बादाम का तेल मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। आपका स्क्रब तैयार है। स्क्रब लगाने से पहले अपने चेहरे को पानी से गीला कर लें। अब इस स्क्रब से हल्की-हल्की मालिश करें। अगर स्क्रब ज्यादा गाढ़ा लगे, तो कुछ बूंदें पानी की मिला लें। थोड़ी देर स्क्रबिंग के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। ध्यान रहे कि स्क्रबिंग के बाद चेहरे पर फेसवॉश या साबुन न लगाएं।
- एक कटोरी में शहद और चीनी को मिला लें। कुछ मिनटों के लिए इससे अपनी त्वचा को स्क्रब करें और फिर धो लें। इस स्क्रब को आप हफ्ते में एक ही बार करें।
- चेहरे पर जमी डेड परत को उतारने के लिए एक कप में ब्राउन शुगर लें। इसके बाद इसमें कोई भी तेल मिलाकर स्क्रब तैयार कर लें। अब इस स्क्रब से अपनी त्वचा पर हल्के-हल्के से सर्कुलर मोशन में मालिश करें। फिर इसे थोड़ी देर रहने दें और उसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। इस स्क्रब को आप पूरे शरीर पर भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

चौलाई कोकोनट खीर

सामग्री

- लो फैट दूध 220 मिली.
- भिगोई हुई चौलाई 100 ग्राम
- ट्रडिशनल दूध की रबड़ी 30 मिली.
- सूखा ताजा नारियल 15 ग्राम
- नारियल पाउडर 5 ग्राम
- ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स 15 ग्राम
- भुने हुए अखरोट 15 ग्राम
- ताजी पुदीना पत्तियां

विधि

दूध को तब तक उबालें, जब तक कि यह अच्छी तरह उबल कर गाढ़ा और लगभग आधा न रह जाए। अब इसमें भिगोई हुई चौलाई मिलाएं। (चौलाई का सेवन सर्दियों में बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है और वजन घटाने में भी यह मददगार है। इसमें कई एंटी-इन्फ्लेमेटरी तत्व मौजूद होते हैं।) चौलाई को दूध में तब तक पकाएं, जब तक कि यह अच्छी तरह गाढ़ा न दिखने लगे। अब इसमें नारियल और ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स मिला कर चलाएं। एक बार जब खीर पक जाए तो इसमें सूखा नारियल पाउडर और दूध की रबड़ी मिलाएं। ऊपर से पुदीने की पत्तियों और कैरेमलाइज्ड अखरोट से सजाएं। ग्लास के जार में सर्व करें क्योंकि इसमें देर तक स्वाद बरकरार रहता है और डेजर्ट का शेप भी नहीं बिगड़ता। गर्म या ठंडा, अपनी पसंद के अनुसार सर्व करें।

जलेबी डोनट्स

सामग्री

- खोया 500 ग्राम
- मैदा 100 ग्राम
- कॉर्नस्टार्च 50 ग्राम
- चाशनी
- दूध 50 मिली.
- व्हाइट चॉकलेट 10 ग्राम
- ताजा नारियल 10 ग्राम
- तलने के लिए तेल
- हरी इलायची पाउडर एक चौथाई चम्मच।

विधि

खोये को अच्छी तरह मिलाने के लिए ब्लेंडर का इस्तेमाल करें। इसमें मैदा, कॉर्नस्टार्च और दूध मिलाकर गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। पूरी सामग्री को पाइपिंग बैग में भरें और डोनट शेप बनाते हुए तलें। अच्छी तरह सुनहरा होने के बाद चाशनी में भिगो दें। अब इसे छान कर जाली में रखें। कोकोनट और व्हाइट चॉकलेट को मिक्स कर लें। डोनट्स को बीच से काटें और ऊपर से कोकोनट और चॉकलेट को फैला दें। इसे गर्म-गर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3964

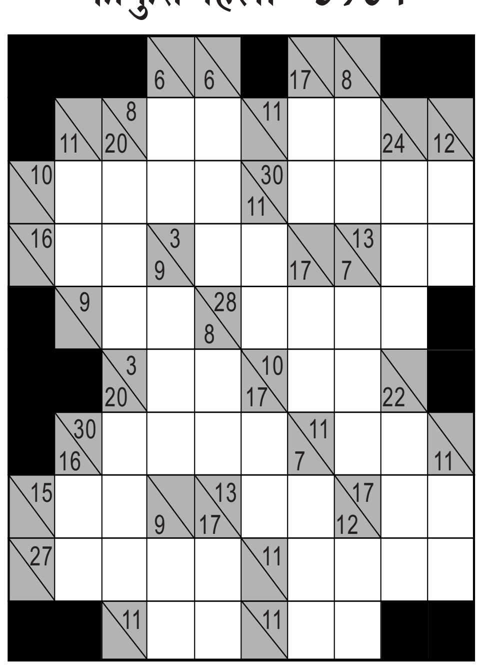

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

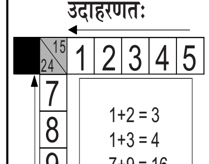

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3963 का हल

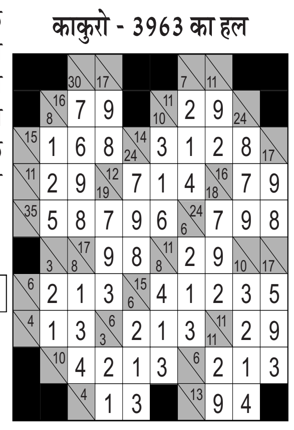

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

फिल्म वर्ग पहेली - 3964

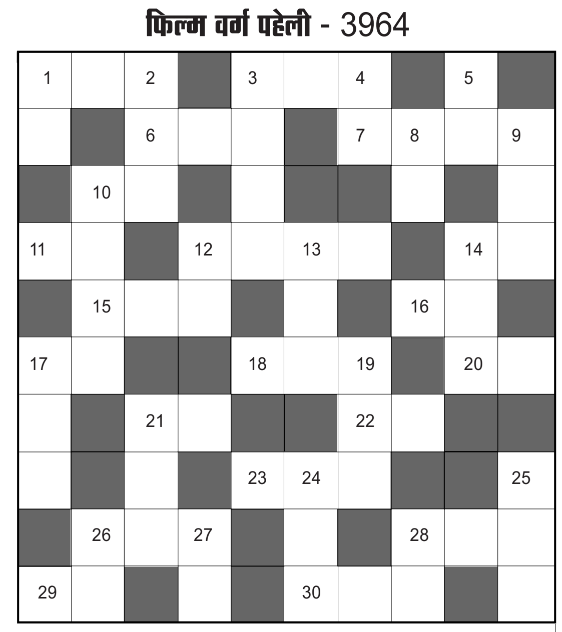

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3963

सूडोकु -3964

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3963 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 3964

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -3963 का हल

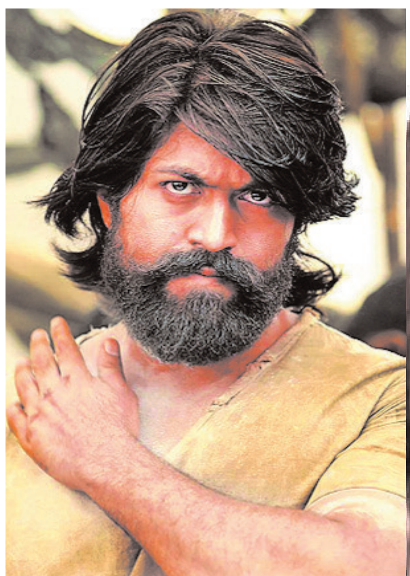

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज़ से ज्यादा जरूरी था।'

टेलीविजन में काम करना आसान नहीं, यहां कलाकारों को कम समय में अपना बेस्ट देना होता है

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

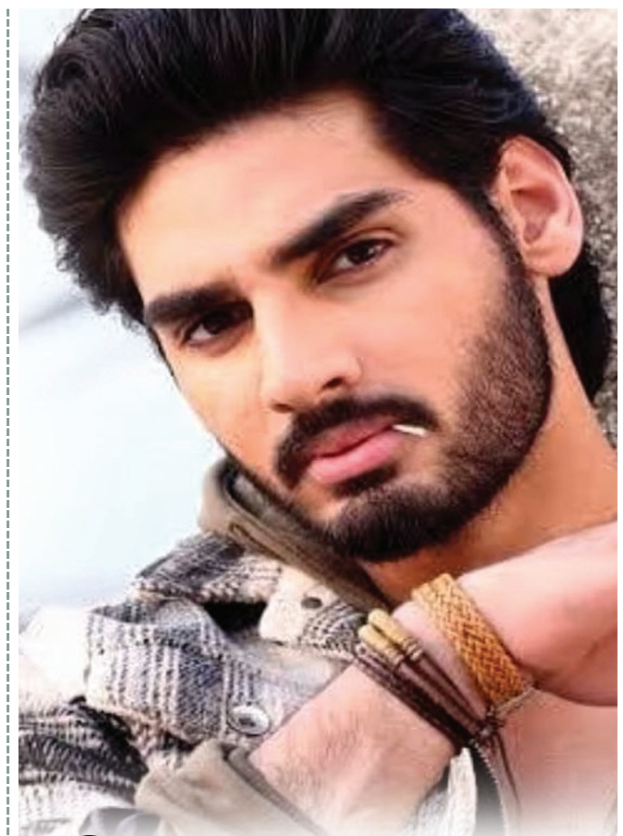

विक्रम भट्ट की '1920: कोल्ड...' से जुड़े अहान शेट्टी

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920: कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920: कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है। फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा।

'खलीफा' से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं मालविका शर्मा

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।

'वाराणसी' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं आरजे महविश

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।